

सार विवरण

शीर्षक: महात्मा गाँधी की विचारधारा व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका का मूल्यांकन

लेखक: डॉ. प्रदुमन सिंह

सार: महात्मा गाँधी की विचारधारा एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका का मूल्यांकन आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन में एक विवादस्पद विषय रहा है। गांधी जी के राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रीय होने के बाद एक तरफ राष्ट्रीय आन्दोलन का सामाजिक आकार व्यापक हुआ, जनभागिदारी बढ़ी व आन्दोलन ने एक निश्चित स्वरूप प्राप्त किया दूसरी तरफ इसकी उसकी विचारधारा व कार्यो की एक वर्ग से आलोचना की। कम्यूनिस्टो ने उन्हे पूंजीपतियों का एजेंट माना अंग्रेजो ने शांति व्यवस्था का शत्रु, मुस्लिम लीग ने उन्हे हिन्दू हितों का पोशक माना। अतः आवश्यक हो जाता है कि उनकी विचारधारा व कार्यो का मूल्यांकन तार्किक ढंग से किया जाए।

कुंजी शब्द: महात्मा गांधी, सत्य अहिंसा, राष्ट्रीय आन्दोलन।